সাধু, গীত, চৰিত্রাভিনয়, নাটকৰ জৰিয়তে: নিম্ন প্ৰাথমিক স্তৰত ভাষা আৰু লিখিব পঢ়িবৰ সমৰ্থ হোৱা

অসমীয়া (হিন্দীৰ সৈতে)
কমেণ্টেৰী: কম বয়সৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলক নতুন ধাৰণা আৰু ভাষাৰ সৈতে পৰিচয় কৰাই দিয়াৰ উত্তম উপায় হৈছে সাধুকথা। **শিক্ষয়িত্ৰী**: बच्चों, एक चूहा था। बहुत ही नटखट और बड़ा ही चालाक। कुछ न कुछ शरारत करने का उसका मन हमेशा करता था। কমেণ্টেৰী: প্ৰাথমিক শ্ৰেণীৰ এই ভাষা জ্ঞানৰ পাঠটোত ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলে জনা এটা সাধুকে এগৰাকী শিক্ষকে পুনৰ কৈছে। তেখেতে সাধুটো মনত পেলাইছে আৰু নাটকীয়ভাৱে ইয়াৰ উপস্থাপন কৰিছে। **শিক্ষয়িত্ৰী**: ये क्या है? ये काहे का फोटो है? **শিক্ষাৰ্থীসকল**: चूहा। **শিক্ষয়িত্ৰী**: सबको दिखाई दे रहा है? **শিক্ষাৰ্থীসকল**: हाँ। **শিক্ষয়িত্ৰী**: क्या है ये? **শিক্ষাৰ্থীসকল**: चूहा। **শিক্ষয়িত্ৰী**: किस किस के घर में चूहे हैं? **শিক্ষাৰ্থী ১**: हमारे। **শিক্ষয়িত্ৰী**: अरे वाह! चूहा क्या करता है घर में? **শিক্ষাৰ্থী ২**: चूहे भागते हैं, और कतरते हैं कपड़ा। **শিক্ষাৰ্থী ৩**: कपड़े कतर देते हैं। **শিক্ষাৰ্থী ৪**: Ma'am, हमारे घर के कपड़े कतरता है। **শিক্ষয়িত্ৰী**: कपड़े कतर देता है? **শিক্ষাৰ্থীসকল**: हाँ। **শিক্ষয়িত্ৰী**: कैसे बोलता है चूहा? **শিক্ষাৰ্থীসকল**: चींईईई...

কমেণ্টেৰী:

শিক্ষকগৰাকীয়ে তেখেতৰ সাধু কোৱা ধৰণটো পৰিবৰ্ধিত কৰিবলৈ ব্যৱহাৰ কৰা বিভিন্ন কৌশলবোৰৰ প্ৰতি ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলে কেনেকৈ সঁহাৰি জনাইছে লক্ষ্য কৰক।

শিক্ষয়িত্রী: एक चूहा था। बहुत नटखट, बड़ा शरारती। जैसे आप लोग शरारत करते हो न?

শিক্ষার্থীসকল: হাঁ।

শিক্ষয়িত্রী: ऐसे ही चूहा शरारत करता था। एक बार उसने सोचा कि, "क्यों न मैं शहर जाऊँ?" बारिश के दिन में - अपने बिल में बैठे बैठे - bore हो गया।

কমেণ্টেৰী:

সাধুটো হৈছে, এটা দুষ্ট নিগনি নগৰলৈ বজাৰ কৰিবৰ বাবে গৈছে কিন্তু তাৰ হাতত এপইচাও নাই। সাধুটো অধিক বোধগম্য তথা উপভোগ্য কৰি তুলিবৰ বাবে শিক্ষকে কার্যকলাপ, প্রশ্নাৱলী আৰু গানৰ ব্যৱহাৰ কৰিছে।

শিক্ষয়িত্রী: उसके पैर के नीचे से निकल के, और बैठ गया वहाँ पर, है ना?

শিক্ষার্থীসকল: হাঁ।

শিক্ষয়িত্রী: अब वो दुकानदार ने देखा "ओह! ये तो चूहा है! ये कहाँ से आ गया?" है ना?

শিক্ষার্থী ৫: হাঁ।

শিক্ষয়িত্রী: तो फिर, उसने क्या किया होगा?

শিক্ষার্থী ৫: उसने... भगाया होगा।

শিক্ষয়িত্রী: उसने भगाया होगा। उसने कहा, "भाग यहाँ से। चूहे, तू यहाँ से भाग।" तो उसने क्या जवाब दिया होगा?

শিক্ষার্থীসকল: "मैं नहीं भागूँगा।"

শিক্ষয়িত্রী: उसने कहा, "मैं नहीं भागूँगा। मैं नहीं भागूँगा! मैं नहीं भागूँगा। मैं नहीं भागूँगा!"

चूहे ने कैसे गाना गाया? "रातों रात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।" कैसै करा? आप बताओ।

শিক্ষার্থীসকল: "रातों रात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।"

শিক্ষয়িত্রী: दुकानदार बहुत डर गया। उसने सोचा, "ये तो रात में, मेरे कपड़े काट देगा, आ के।" तो, उसने कहा, "चूहे भैया, चूहे भैया, तुम ये कपड़े ले जाओ, और ये..." उसने एक रेशमी कपड़ा चूहे को दिया, और कहा कि, "ये तुम ले जाओ, और अब तुम मेरे कपड़े नहीं काटना, रात में आ के। ठीक है?" चूहा खुश हो गया। अब वो चूहा कपड़े सिलवाने कहाँ जाएगा? टोपी सिलवाने के लिए?

শিক্ষার্থীসকল: दर्ज़ी के पास।

শিক্ষয়িত্রী: कहाँ जाएगा?

শিক্ষার্থীসকল: दर्ज़ी के पास।

শিক্ষয়িত্রী: हाँ। तो उसने कहा, “भागो यहाँ से। मैं तुमको कपड़े सिल के नहीं दूँगा।" फिर उसने गाना गाना शुरू कर दिया।

শিক্ষার্থীসকল: “रातों रात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।”

শিক্ষয়িত্রী: दर्ज़ी ने उसको टोपी सिल दी। अब वो टोपी उसने पहनी। तो टोपी उसने पहन के देखा! तो देखा - काहे में देखा उसने? आइने में देखा। ऐसे देखा! फिर ऐसे देखा! फिर ऐसे देखा! अब वो कैसा लगा होगा?

শিক্ষার্থীসকল: अच्छा।

শিক্ষয়িত্রী: कैसा लगने लगा होगा, टोपी पहन कर?

কমেণ্টেৰী:

শ্ৰেণী কক্ষৰ বাহিৰত পাঠদান কৰাটো ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলৰ বাবে হ’ব পাৰে ভয়হীন তথা আকৰ্ষণীয়। আপুনি যেতিয়া পৰৱৰ্তী সময়ত এটা সাধু কথা ক’ব তেতিয়া এই ভিডিঅ’ত থকা উপায়বোৰ চেষ্টা কৰি নেচায় কিয়?

শিক্ষয়িত্রী: अच्छा, ये बताओ, आपको ये कहानी कैसी लगी?

শিক্ষার্থীসকল: बहुत अच्छी!

শিক্ষয়িত্রী: आपको मज़ा आया?

শিক্ষার্থীসকল: हाँ!